# ग्रीन हाऊस प्रभाव (Green House Effect)

ग्रीन हाऊस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी ग्रह के वातावरण में मौजूद कुछ गैसें वातावरण के तापमान को अपेक्षाकृत अधिक कर देती हैं। ग्रीन हाऊस गैसों में कार्बन डाई ~~ऑक्साइड~~ ऑक्साइड ($CO_2$), जल वाष्प, मेथेन ($CH_4$), $N_2O$ CFC तथा HCF आदि शामिल हैं।

## ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण : (Ozone Hole or Ozone Depletion) :

ओजोन परत के किसी स्थान पर पतले हो जाने को ही ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण कहते हैं।

200 DU से अधिक मोटी पर्त सामान्य पर्त कहलाती है तथा इससे कम मोटाई की पर्त को ओजोन छिद्र की श्रेणी में रखते हैं।

कई प्रदूषक गैसें समताप मण्डल (Stratosphere) में पहुँचकर ओजोन ($O_3$) पर्त को नष्ट करते हैं।

क्लोरो-फ्लोरो कार्बन ($CFC_5$), मेथेन ($CH_4$) तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड ($NO_x$) घातक गैसें हैं। इनमें से $CFC_5$ सबसे अधिक घातक गैस है। यह ओजोन से निम्न प्रकार से क्रिया करता है-

$$CFC_5 \xrightarrow{UV} Cl$$

$$Halons \xrightarrow{UV} Br$$

$$Cl + O_3 \longrightarrow ClO + O_2$$

$$ClO + O_3 \longrightarrow Cl + 2O_2$$

Scanned by TapScanner

## ग्रीन हाऊस प्रभाव (Green House Effect)

ग्रीन हाऊस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है. जिसके द्वारा किसी ग्रह के वातावरण में मौजूद कुछ गैसें वातावरण के तापमान को अपेक्षाकृत अधिक कर देती हैं। ग्रीन हाऊस गैसों में कार्बन डाई ~~ऑक्साइड~~ ऑक्साइड ($CO_2$) जल वाष्प, मेथेन ($CH_4$) $N_2O$, CFC तथा HCF आदि शामिल हैं।

ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण :-
(Ozone Hole or Ozone Depletion) :-
ओजोन परत के किसी स्थान पर पतले हो जाने को ही ओजोन छिद्र या ओजोन रिक्तीकरण कहते हैं।
200 DU से अधिक मोटी पर्त सामान्य पर्त कहलाती है तथा इससे कम मोटाई की पर्त को ओजोन छिद्र की श्रेणी में रखते हैं।
कई प्रदूषक गैसें समताप मण्डल (Stratosphere) में पहुँचकर ओजोन ($O_3$) पर्त को नष्ट करते हैं।
क्लोरो. फ्लोरो कार्बन ($CFC_5$), मेथेन ($CH_4$) तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड ($NO_x$) घातक गैसें हैं। इनमें से $CFC_5$ सबसे अधिक घातक गैस है। यह ओजोन से निम्न प्रकार से क्रिया करता है-

$$CFC_5 \xrightarrow{UV} Cl$$

$$Halons \xrightarrow{UV} Br$$

$$Cl + O_3 \longrightarrow ClO + O_2$$

$$ClO + O_3 \longrightarrow Cl + 2O_2$$

Scanned by TapScanner